<u>अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली</u>

<u>निदेशक कार्यालय</u>

फा.सं.40-30/2023-स्था.I दिनांकः 10.01.2024

<u>कार्यालय ज्ञापन</u>

विषय: विश्राम सदन में बिस्तरों की उपलब्धता के संबंध में सक्रिय रूप से सूचना प्रदर्शित करने संबंधी।

एम्स, नई दिल्ली में रोगियों/उनके परिचरों की सुविधा के लिए इसके विभिन्न परिसरों में स्वच्छता एवं भोजन आदि के लिए सभी सुविधाओं में निम्नानुसार 1500 से अधिक आरामदायक बिस्तरों की व्यवस्था है:

- साईं सदन धर्मशाला - 100 बिस्तर
- राजगढ़िया धर्मशाला - 149 बिस्तर
- पावर ग्रिड विश्राम सदन - 281 बिस्तर
- सीआरपीएफ द्वारा आश्रय शेल्टर - 180 बिस्तर
- इन्फोसिस विश्राम सदन - 806 बिस्तर

यह देखा गया है कि उपर्युक्त सुविधाओं में लगभग 50% बिस्तर अभी भी खाली हैं। हालाँकि, विभिन्न समाचार रिपोर्टों में कहा गया है कि एम्स के रोगी/उनके परिचर रात को ठंड में खुले में लेटे रहते हैं।

अधोहस्ताक्षरी ने एम्स परिसरों के आसपास के क्षेत्र का दौरा किया और खुले में लेटे हुए लोगों के साथ बातचीत की। यह नोट किया गया कि उनमें से कई व्यक्ति, बिना इस प्रमाण के कि वे एम्स के रोगी है और उनका यहां वर्तमान में इलाज चल रहा है, बहुत दिनों से वहां रह रहे हैं तथा कुछ सामाजिक संगठनों द्वारा निरंतर प्रदान किए जाने वाले मुफ्त भोजन एवं सामान के आसानी से मिलने के कारण वहां रह रहे थे। हालाँकि, यह भी देखा गया कि कुछ लोगों को रोगियों और उनके परिचरों के लिए उक्त रात्रि आवास की उपलब्धता के विषय में कोई जानकारी ही नहीं थी।

तदनुसार, रोगियों एवं उनके परिचरों की सुविधा सुनिश्चित करने और विश्राम सदन सुविधाओं के श्रेष ठतम उपयोग के लिए, यह अपेक्षित है कि सभी प्रमुख स्थानों पर विश्राम सदनों की उपलब्धता के संबंध में उपयुक्त सूचनाएं प्रदर्शित की जाएं। इसके अलावा, रोगियों और उनके परिचरों को पास में उपलब्ध विश्राम सदन आवास लेने के लिए उनका सक्रिय रूप से मार्गदर्शन किया जाए।

कार्रवाई: चिकित्सा अधीक्षक (एम्स)/अपर चिकित्सा अधीक्षक

विश्राम सदन में रोगियों के लिए बिस्तरों की उपलब्धता संबंधी सूचना को प्रदर्शित करने वाला एक डैशबोर्ड दिनांक 29 फरवरी, 2024 तक आरंभ कर दिया जाएगा तथा रोगियों की सुविधा के लिए इसमें बिस्तर उपलब्ध होने की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। देश भर में अतिरिक्त रूप से इस प्रकार की सुविधाओं की योजना बनाते समय विश्लेषण के लिए डाटा प्रदान करने के लिए इस डैशबोर्ड में विशिष्टता-वार रोगियों या उनके परिचरों की संख्या पता लगाने की क्षमता होनी चाहिए।

कार्रवाई: प्रभारी-आचार्य, कंप्यूटर सुविधा; प्रशासनिक अधिकारी (संपदा)

इसके अतिरिक्त, विश्राम सदन सुविधाओं का श्रेष्ठतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, सभी विश्राम सदनों में केवल एम्स के रोगियों के लिए प्रवेश को सख्ती से लागू किया जाए और रोगी का इलाज करने वाली चिकित्सकों की टीम के सदस्य द्वारा सिफारिश करने पर ही विश्राम सदन में बिस्तर प्रदान किया जाए। विश्राम सदन में रोगियों या उनके परिचरों के प्रवेश के लिए रोगी की आभा आईडी/आधार संख्या/यूएचआईडी एकमात्र पहचानसूचक होना चाहिए। सभी विश्राम सदनों के प्रवेश एवं निकास क्षेत्र में सीसीटीवी लगा होना चाहिए तथा इसकी फुटेज कम से कम 3 साल तक संरक्षित रखी जाए। इन उपायों के अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करने के लिए कि विश्राम सदन में इस्तेमाल बिस्तरों की संख्या, रिकॉर्ड से मेल खा रही हैं, हर रात को भौतिक सत्यापन हेतु इसका दौरा किया जाए।

कार्रवाई: प्रशासनिक अधिकारी (संपदा); प्रभारी-आचार्य सुरक्षा सेवाएँ

विश्राम सदनों में रोगियों तथा उनके परिचरों के आवागमन को सरल बनाने के लिए, संबंधित परिसरों के निकटतम विश्राम सदनों के लिए इलेक्ट्रिक शटल सेवा की चक्करों को बढ़ाया जाएगा।

कार्रवाई: प्रभारी-आचार्य (आंतरिक परिवहन सेवाएं)

एम्स ने एनबीसीसी को आवासीय क्षेत्र पुनर्विकास परियोजना के एक भाग के रूप में अंसारी नगर पश्चिमी परिसर में लगभग 2000 बिस्तर वाले एक नए मेगा विश्राम सदन के निर्माण की जिम्मेदारी भी सौंपी है। इंजीनियरिंग प्रभाग से अनुरोध किया जाता है कि समय पर इसे पूर्ण करने के लिए इसका प्राथमिकता के आधार पर फोलो-अप करें।

कार्रवाई: अधीक्षण अभियंता (एम्स)

अधोहस्ताक्षरी ने सीएसआर के तहत अतिरिक्त विश्राम सदनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन हेतु पड़ोसी राज्यों के माननीय राज्यपालों एवं माननीय मुख्यमंत्रियों को औपचारिक अनुरोध भी भेजा है। सभी संकाय सदस्यों से अनुरोध है कि उक्त विश्राम सदनों के निर्माण के लिए जब भी एम्स को भूमि आवंटित की जाएगी तो वे सीएसआर के तहत योगदान देने के लिए कंपनियों को प्रोत्साहित करें। इससे एम्स, नई

दिल्ली के रोगियों एवं उनके परिवारों, विशेषकर उन गरीब रोगियों के लिए सुविधा होगी जो अपने उपचार की अपेक्षा एम्स आने-जाने में अधिक खर्चा करते हैं। उनकी सुविधा के लिए देश का सबसे बड़ा सामाजिक बुनियादी ढांचा बनाने में मदद मिलेगी।

प्रो. एम. श्रीनिवास
निदेशक

वितरण: (इसे अपने नियंत्रणाधीन सभी अधिकारियों को भी परिचालित करने के अनुरोध के साथ)

1. संकायाध्यक्षगण (शैक्षिक, अनुसंधान, परीक्षा)
2. अपर निदेशक (प्रशासन)
3. चिकित्सा अधीक्षक (एम्स)
4. सभी केंद्र प्रमुखगण/अध्यक्ष, एन.सी.आई. झज्जर
5. सभी विभागाध्यक्षगण
6. वरिष्ठ वित्त सलाहकार
7. उप-सचिव
8. प्रभारी-आचार्य, कंप्यूटर सुविधा

(नोट :- किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में इस कार्यालय ज्ञापन का अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।)

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, NEW DELHI
OFFICE OF DIRECTOR

F. No. 40-30/2023-Estt.I 10-01-2024

OFFICE MEMORANDUM

Sub: Pro-active disclosure regarding availability of Vishram Sadan beds reg.

AIIMS New Delhi has provision of over 1500 comfortable beds with all facilities for hygiene, meals, etc. located in its various premises for the benefit of its patient's / their attendants as per the following split up:

- Sai Sadan Dharamshala – 100 beds
- Rajgariya Dharamshala – 149 beds
- Power Grid Vishram Sadan -281 beds
- Aashray Shelter by CRPF – 180 beds
- Infosys Vishram Sadan – 806 beds

It has been noted that nearly 50% of the beds in the aforesaid facilities are still vacant. However, various news reports have been stating that AIIMS patients / their attendants are lying in the open in cold at night.

The undersigned has taken rounds of the area surrounding AIIMS campuses and interacted with the people lying in the open. It was noted that many of them have been staying there for many days, without any proof of being AIIMS patients under active treatment here and some were there perpetually due to easy availability of frequently donated free food and goods by social organizations. However, it was also noted that some people were not aware of the availability of such night accommodation for patients & their attendants.

Accordingly, to ensure convenience of patients and their attendants, and to ensure optimal utilization of vishram sadan facilities, it is desired that appropriate signage regarding the availability of vishram sadans be displayed at all key locations. Also, patients & their attendants should be pro-actively guided to take up the vishram sadan accommodation available close by.

Action: Medical Superintendent (AIIMS) / Addl. Medical Superintendents

A dashboard displaying the availability of vishram sadan beds shall be made operational by 29th February 2024 and real time bed availability therein shall be displayed for the convenience of patients. This dashboard should have the ability to capture the number patients or their attendants staying speciality wise to provide data for analysis while planning of additional such facilities across the Country.

Action: Prof. I/c Computer Facility; Admin Officer (Estate)

Further, to ensure optimal use of vishram sadan facilities, entry into all vishram sadans should be strictly restricted for AIIMS patients only and provision of vishram sadan beds should be recommended by a member of clinical team treating the patient. Patient's ABHA ID / AADHAR Number / UHID must be the sole identifier used for admission of patients or their attendants into the vishram sadan. Entry & exit points of all vishram sadans should be under CCTV surveillance and footage of the same should be preserved for at least 3 years. In addition to these measures, a physical verification round should be done every night to ensure the occupancy in the vishram sadan is matching the records.

Action: Administrative Officer (Estate); PIC Security Services

To ease the commute of patients & their attendants to – from vishram sadans, the frequency of the electric shuttle service to the vishram sadans nearest to the respective campuses shall be augmented.

Action: Prof. I/c (Intramural Transport Services)

AIIMS has also entrusted the responsibility of building a new mega vishram sadan with approx. 2000 beds in the Ansari Nagar West Campus as a part of the residential area redevelopment project to NBCC. Engineering division is requested to follow up the same on priority basis to ensure timely completion.

Action: Superintending Engineer (AIIMS)

The undersigned has also sent formal requests to Hon'ble Governors & Hon'ble Chief Ministers of neighbouring states for allocation of land for construction of additional vishram sadans under CSR. All faculty are requested to promote companies to contribute under CSR

for the construction of said vishram sadans as and when land allocation is done to AIIMS. This shall help AIIMS New Delhi create the Country's largest social infrastructure for the convenience of patients & their families – especially for poor patients who sometime spend more on their commute to AIIMS than on their treatment herein.

10/1/2024

Prof. M Srinivas
Director

Distribution (with a request to also circulate it to all officials under their control)

1. Dean/s (Academic, Research, Examination)
2. Addl. Director (Admin)
3. Medical Superintendent (AIIMS)
4. Chiefs' of all Centres / Head, NCI Jhajjar
5. Heads' of all Departments
6. Sr. Financial Advisor
7. Deputy Secretary
8. Prof. I/c Computer Facility